इकाई – 1 (क) कबीर

कबीर ग्रंथावली (सं. – श्यामसुंदर दास)

i.कस्तुरी कुंडलि बसै

ii. सुखिया सब संसार है

iii . प्रेम न बारी उपजै

iv . जब मैं था तब हरी नहीं

v .जाति न पूछो साधू की

(ख) जायसी

(जायसी ग्रंथावली, नागमति वियोग खंड, सं. रामचन्द्र शुक्ल)

i.नागमती चितउर पथ हेरा

ii.पिउ – वियोग अस बाउर जीऊ

iii.पाट महादेइ ! हिये न हारू

iv.चढ़ा असाढ़ गंगन घन गाजा

v.सावन बरसि मेह अतिवानी

इकाई – 2 (क) सूरदास

भ्रमरगीतसार (सं. रामचन्द्र शुक्ल)

i. अविगति गति कुछ कहत न आवै

ii. जसोदा हरि पालनै झुलावै

iii. उद्धव धनि तुम्हारो व्यवहार

Scanned by CamScanner

iv. आयो घोष बड़ो व्योपारी

v. तेरो बुरो न कोउ मानै

(ख) तुलसीदास

(विनय पत्रिका , गीताप्रेस , गोरखपुर)

i. अवलौं नसानी , अब न नसहौं

ii. ऐसो कौन उदार जग माही

iii. जाऊँ कहाँ तजि चरन तिहारे

iv. देव तू दयालु दीन हौं तू दानि हौं भिखारी

v. ऐसे हरि करत दास पर प्रीति

इकाई – 3

(क) मीराबाई: **मीरा का काव्य: विश्वनाथ त्रिपाठी**

i. मैं तो साँवरे के रंग राची.....

ii. हेरी मैं तो प्रेम दिवानी, मेरो दरद न जाने कोय.....

iii. पग घूंघरू बाँध मीरा नाची रे.....

iv. आली रे म्हारे णण बाण पड़ी.....

v. पायो जीम्हें तो स्याम रतन धन पायो.....

(ख) रसखान : **रीति काव्य-संग्रह** – जगदीश गुप्त

- मानुष हौं तो वही रसखानि
- या लकुटि अरु कामरिया पर
- धूर भरे अति सोभित स्याम जू

Scanned by CamScanner

- सेस गनेस महेस दिनेस
- लीने अबीर भरे पिचका

इकाई –4 (क) बिहारी

बिहारी सतसई (सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर)

i. या अनुरागी चित्त की गति समझै नहिं कोई

ii. जपमाला छापै तिलक सरै न एकौ कानु

iii. नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं बिकासु इहिं काल

iv. क़हत नटत रीझट खिझत मिलत खिलत लजियात

v. मेरी भव बाधा हरौ , राधा नागरि सोई

(ख) घनानन्द

घनानन्द कवित्त (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

i. रावरे रूप की रीति अनूप नयो नयो लागत ज्यों ज्यों निहारिये

ii. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं

iii. जासों प्रीति ताहि निठुराई सों निपट नेह

iv. हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समाने

v. नेह निधान सुजान समपि तौ सींचति ही हियरा सिवराई

सहायक ग्रंथ

1. कबीर –हजारीप्रसाद द्विवेदी

2. जायसी ग्रंथावली की भूमिका –रामचन्द्र शुक्ल

3. भ्रमरगीतसार की भूमिका –रामचन्द्र शुक्ल

Scanned by CamScanner

4. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल

5. जायसी – विजयदेवनारायण साही

6. तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त

7. कबीर ग्रंथावली (सटीक) – रामकिशोर शर्मा

8. तुलसी काव्य में साहित्यिक अभिप्राय – जनार्दन उपाध्याय

9. जायसी : एक नयी दृष्टि – रघुवंश

10. कबीर मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी

11. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

12. बिहारी विभूति – राजकुमारी मिश्र

13. स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द – मनोहर लाल गौड़

14. रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र

15. रीतिकाव्य – जगदीश गुप्त

16. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह

17. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह

18. रसखान रत्नावली – राघव रघु

Scanned by CamScanner

Ability Enhancement Compulsary Course (AECC)

HINSAEC01M : हिंदी संप्रेषण (02 क्रेडिट, अंक-25, क्लास: 30)

इकाई-1

ध्वनि और वर्ण, शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया की परिभाषा एवं भेद), शब्द निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास का सामान्य परिचय)

इकाई-2

शब्द और पद में अंतर, विकारी शब्दों की रूप-रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया), अविकारी शब्द (अव्यय), वाक्य की परिभाषा और अंग, वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर), वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न)

इकाई-3

भाषिक संप्रेषण-स्वरूप और सिद्धांत, संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व, संप्रेषण प्रक्रिया, संप्रेषण की चुनौतियाँ, संप्रेषण के प्रकार (मौखिक और लिखित, वैयक्तिक और सामाजिक, व्यावसायिक) संप्रेषण की बाधाएँ

इकाई-4

संप्रेषण के माध्यम-एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा, प्रभावी संप्रेषण, पढ़ना और समझना, सार और अन्वय, विश्लेषण और व्याख्या

सहायक ग्रंथः

1. भारतीय पुरालिपि- डॉ. राजबलि पांडेय
2. भाषा और समाज- रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास- उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषाः संरचना के विविध आयाम- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. हिंदी व्याकरण- कामताप्रसाद गुरु
6. हिंदी शब्दानुशासन –किशोरीदास वाजपेयी
7. हिंदी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी
8. संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धान्त और स्वरूप- सुरेश कुमार
9. प्रयोग और प्रयोग – वी.आर. जगन्नाथ
10. भाषाई अस्मिता और हिंदी –रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
11. रचना का सरोकार- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
12. भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका- विद्यानिवास मिश्र

Scanned by CamScanner